CUH launches Outreach Program for Rural Students

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 29-10-2024**

हकेवि में बायोटेक्नोलॉजी प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम की हुई शुरूआत

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ द्वारा ग्रामीण विद्यार्थियों को बायोटेक्नोलॉजी क्षेत्र का व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से सोशल आउटरीच कार्यक्रम की शुरूआत हुई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों को आधुनिक वैज्ञानिक तरीकों को अपनाने तथा देश के निरंतर विकास के लिए इन उन्नत उपकरणों का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की शुरूआत एस. डी. सीनियर सेकेंडरी स्कूल ककराला के 40 विद्यार्थियों के पहले बैच के साथ हुई। प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. हुमिरा सोन्हा और डॉ. रुपेश देशमुख ने एस. डी. सीनियर सेकेंडरी स्कूल ककराला के विद्यार्थियों को कार्यक्रम के उद्देश्यों से अवगत कराया। तत्पश्चात विद्यार्थियों के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र का आयोजन

हकेवि प्रयोगशाला में प्रयोग करते स्कूली विद्यार्थी।

किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने व्यक्तिगत रूप से सोयाबीन, धान और ककड़ी की पत्तियों से डीएनए निकाला। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम की घोषणा भारत रत्न नानाजी देशमुख की जयंती के अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार द्वारा की गई थी। यह कार्यक्रम 25 सप्ताह तक चलेगा, जिसमें विभिन्न स्कूलों के छात्र प्रत्येक सप्ताह भाग लेंगे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य एक हजार ग्रामीण विद्यार्थियों को बायोटेक्नोलॉजी क्षेत्र का व्यावहारिक प्रशिक्षण देना है। आयोजन में बायोटेक्नोलॉजी विभाग के शोधकर्ता डॉ. श्रीजा सुधाकरन, मुकेश मेघवाल, पवन कुमार, बादल महाकालकर, प्रगति, सागर जंजल, गोपिका मोते ने स्कूली विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम के आयोजन सचिव प्रो. पवन कुमार मौर्य व प्रो. कांति प्रकाश शर्मा ने बताया कि यह आउटरीच कार्यक्रम विश्वविद्यालय की उन्नत वैज्ञानिक शिक्षा और ग्रामीण समुदायों के बीच की खाई को पाटने की प्रतिबद्धता को उजागर करता है, और बायोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में कुशल युवा पीढ़ी को तैयार करना है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 29-10-2024**

हकेंवि में बायोटेक्नोलॉजी प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

संवाद न्यूज एजेंसी

सोशल आउटरीच कार्यक्रम... 25 सप्ताह तक चलेगा प्रशिक्षण

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ द्वारा ग्रामीण विद्यार्थियों को बायोटेक्नोलॉजी क्षेत्र का व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से सोशल आउटरीच कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों को आधुनिक वैज्ञानिक तरीकों को अपनाने तथा देश के निरंतर विकास के लिए इन उन्नत उपकरणों का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम की शुरुआत एसडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल ककराला के 40 विद्यार्थियों के पहले बैच के साथ हुई।

प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. हुमिरा सोन्हा और डॉ. रुपेश देशमुख ने विद्यार्थियों को कार्यक्रम के उद्देश्यों से अवगत कराया। तत्पश्चात विद्यार्थियों के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया।

इसमें विद्यार्थियों ने व्यक्तिगत रूप से सोयाबीन, धान और ककड़ी की पत्तियों से डीएनए निकाला। कार्यक्रम की घोषणा भारत रत्न नानाजी देशमुख की जयंती पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार द्वारा की गई थी।

यह कार्यक्रम 25 सप्ताह तक चलेगा, जिसमें विभिन्न स्कूलों के छात्र प्रत्येक सप्ताह भाग लेंगे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य एक हजार ग्रामीण विद्यार्थियों को बायोटेक्नोलॉजी क्षेत्र का व्यावहारिक प्रशिक्षण देना है।

हकेंवि प्रयोगशाला में प्रयोग करते स्कूली विद्यार्थी। स्रोत : हकेंवि

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 29-10-2024**

हकेंवि की खास पहल... सोशल आउटरीच के तहत 25 सप्ताह तक चलाएंगे कार्यक्रम

1000 ग्रामीण विद्यार्थियों को देंगे बायोटेक्नोलॉजी का व्यावहारिक प्रशिक्षण, पहले बैच में 40 को दी ट्रेनिंग

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने बायोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में कुशल युवा पीढ़ी को तैयार करने के लिए खास पहल की है। सोशल आउटरीच कार्यक्रम विश्वविद्यालय की ओर से एक हजार ग्रामीण विद्यार्थियों को बायोटेक्नोलॉजी क्षेत्र का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। सोमवार को कार्यक्रम की शुरुआत एसडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल ककराला के 40 विद्यार्थियों के पहले बैच के साथ हुई। यह ट्रेनिंग प्रोग्राम 25 सप्ताह तक चलेगा, जिसमें विभिन्न स्कूलों के छात्र प्रत्येक सप्ताह भाग लेंगे। पहले बैच के दौरान कुलपति प्रो. टंकेश्वर

कुमार ने विद्यार्थियों को आधुनिक वैज्ञानिक तरीकों को अपनाने तथा देश के निरंतर विकास के लिए इन उन्नत उपकरणों का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. हुमिरा सोन्हा और डॉ. रुपेश देशमुख ने विद्यार्थियों को कार्यक्रम के उद्देश्यों से अवगत कराते हुए की। तत्पश्चात विद्यार्थियों के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने व्यक्तिगत रूप से सोयाबीन, धान और ककड़ी की पत्तियों से डीएनए निकाला। आयोजन में बायोटेक्नोलॉजी विभाग के शोधकर्ता डॉ. श्रीजा सुधाकरन, मुकेश मेघवाल, पवन कुमार, बादल महाकालकर, प्रगति, सागर जंजल, व स्कूली विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। सचिव प्रो. पवन कुमार मौर्य व प्रो. कांति प्रकाश शर्मा ने बताया कि यह आउटरीच कार्यक्रम विश्वविद्यालय की उन्नत वैज्ञानिक शिक्षा और ग्रामीण समुदायों के बीच की खाई को पाटने की प्रतिबद्धता को उजागर करता है। उन्होंने बताया कि इस आयोजन के लिए पंजीकरण के लिए कोई शुल्क नहीं है। इस कार्यक्रम में प्रतिभागिता करने के लिए इच्छुक विद्यालय हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी विभाग में संपर्क कर सकते हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Chetna **Date: 29-10-2024**

हकेवि में बायोटेक्नोलॉजी प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम की हुई शुरूआत

महेन्द्रगढ, चेतना संवाददाता। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ द्वारा ग्रामीण विद्यार्थियों को बायोटेक्नोलॉजी क्षेत्र का व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से सोशल आउटरीच कार्यक्रम की शुरुआत हुई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों को आधुनिक वैज्ञानिक तरीकों को अपनाने तथा देश के निरंतर विकास के लिए इन उन्नत उपकरणों का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की शुरुआत एस. डी. सीनियर सेकेंडरी स्कूल ककराला के 40 विद्यार्थियों के पहले बैच के साथ हुई। प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. हुमिरा सोन्हा और डॉ. रुपेश देशमुख ने एस. डी. सीनियर सेकेंडरी स्कूल ककराला के विद्यार्थियों को कार्यक्रम के उद्देश्यों से अवगत कराया। तत्पश्चात विद्यार्थियों के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने व्यक्तिगत रूप से सोयाबीन, धान और ककड़ी की पत्तियों से डीएनए निकाला। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम की घोषणा भारत रत्न नानाजी देशमुख की जयंती के अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार द्वारा की गई थी। यह कार्यक्रम 25 सप्ताह तक चलेगा, जिसमें विभिन्न स्कूलों के छात्र प्रत्येक सप्ताह भाग लेंगे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य एक हजार ग्रामीण विद्यार्थियों को बायोटेक्नोलॉजी क्षेत्र का व्यावहारिक प्रशिक्षण देना है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 29-10-2024**

आधुनिक वैज्ञानिक तरीकों से करें देश का विकास : कुलपति

हकेंवि प्रयोगशाला में प्रयोग करते स्कूली विद्यार्थी ● सौजन्यः हकेंवि

संवाद सहयोगी, जागरण ● महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ की ओर से ग्रामीण विद्यार्थियों को बायोटेक्नोलाजी क्षेत्र का व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से सोशल आउटरीच कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि आधुनिक वैज्ञानिक तरीकों को अपनाकर देश का निरंतर विकास किया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को उन्नत उपकरणों का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की शुरुआत एस. डी. सीनियर सेकेंडरी स्कूल ककराला के 40 विद्यार्थियों के पहले बैच के साथ हुई।

डा. हुमिरा सोन्हा और डा. रुपेश देशमुख ने विद्यार्थियों को कार्यक्रम के उद्देश्यों से अवगत कराया। इसके बाद व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने व्यक्तिगत रूप से सोयाबीन, धान व ककड़ी की पत्तियों से डीएनए निकाला। उन्होंने बताया कि इसकी घोषणा भारत रत्न नानाजी देशमुख की जयंती के अवसर पर कुलपति ने की थी। यह कार्यक्रम 25 सप्ताह तक चलेगा, जिसमें विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी प्रत्येक सप्ताह भाग लेंगे। इसका उद्देश्य एक हजार ग्रामीण विद्यार्थियों को बायोटेक्नोलाजी क्षेत्र का व्यावहारिक प्रशिक्षण देना है। कार्यक्रम के आयोजक सचिव प्रो. पवन कुमार मौर्य व प्रो. कांति प्रकाश शर्मा ने बताया कि यह आउटरीच कार्यक्रम विश्वविद्यालय की उन्नत वैज्ञानिक शिक्षा और ग्रामीण समुदायों के बीच की खाई को पाटने की प्रतिबद्धता को उजागर करता है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के पंजीकरण हेतु कोई शुल्क नहीं है। इच्छुक विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलाजी विभाग से संपर्क कर सकते हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Gurgaon Today **Date: 29-10-2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में बायोटेक्नोलॉजी प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम की हुई शुरूआत

सोशल आउटरीच कार्यक्रम के अंतर्गत 25 सप्ताह तक चलेगा कार्यक्रम।

सुरेंद्र चौधरी, गुड़गांव टुडे

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ द्वारा ग्रामीण विद्यार्थियों को बायोटेक्नोलॉजी क्षेत्र का व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से सोशल आउटरीच कार्यक्रम की शुरुआत हुई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों को आधुनिक वैज्ञानिक तरीकों को अपनाने तथा देश के निरंतर विकास के लिए इन उन्नत उपकरणों का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की शुरुआत एस. डी. सीनियर सेकेंडरी स्कूल ककराला के 40 विद्यार्थियों के पहले बैच के साथ हुई।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित बायोटेक्नोलॉजी प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रयोगशाला में प्रयोग करते हुए छात्र।

प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. हुमिरा सोन्हा और डॉ. रुपेश देशमुख ने एस. डी. सीनियर सेकेंडरी स्कूल ककराला के विद्यार्थियों को कार्यक्रम के उद्देश्यों से अवगत कराया। तत्पश्चात विद्यार्थियों के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने व्यक्तिगत रूप से सोयाबीन, धान और ककड़ी की पत्तियों से डीएनए निकाला। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम की घोषणा भारत रत्न नानाजी देशमुख की जयंती के अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार द्वारा की गई थी। यह कार्यक्रम 25 सप्ताह तक चलेगा, जिसमें विभिन्न स्कूलों के छात्र प्रत्येक सप्ताह भाग लेंगे।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य एक हजार ग्रामीण विद्यार्थियों को बायोटेक्नोलॉजी क्षेत्र का व्यावहारिक प्रशिक्षण देना है। आयोजन में बायोटेक्नोलॉजी विभाग के शोधकर्ता डॉ. श्रीजा सुधाकरन, मुकेश मेघवाल, पवन कुमार, बादल महाकालकर, प्रगति, सागर जंजल, गोपिका मोते ने स्कूली विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

कार्यक्रम के आयोजन सचिव प्रो. पवन कुमार मौर्य व प्रो. कांति प्रकाश शर्मा ने बताया कि यह आउटरीच कार्यक्रम विश्वविद्यालय की उन्नत वैज्ञानिक शिक्षा और ग्रामीण समुदायों के बीच की खाई को पाटने की प्रतिबद्धता को उजागर करता है, और बायोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में कुशल युवा पीढ़ी को तैयार करना है। उन्होंने बताया कि इस आयोजन के लिए पंजीकरण हेतु कोई शुल्क नहीं है। इस कार्यक्रम में प्रतिभागिता करने के लिए इच्छुक विद्यालय हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी विभाग में संपर्क कर सकते हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 29-10-2024**

हकेंवि में बायोटेक्नोलॉजी प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम की हुई शुरूआत

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा ग्रामीण विद्यार्थियों को बायोटेक्नोलॉजी क्षेत्र का व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से सोशल आउटरिच कार्यक्रम की शुरूआत हुई। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों को आधुनिक वैज्ञानिक तरीकों को अपनाने तथा देश के निरंतर विकास के लिए इन उन्नत उपकरणों का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की शुरूआत एसडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल ककराला के 40 विद्यार्थियों के पहले बैच के साथ हुई। प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. हुमिरा सोन्हा और डॉ. रुपेश देशमुख ने एसडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल ककराला के विद्यार्थियों को कार्यक्रम के उद्देश्यों से अवगत कराया। तत्पश्चात विद्यार्थियों के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने व्यक्तिगत रूप से सोयाबीन, धान और ककड़ी की पत्तियों से डीएनए निकाला।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Impressive Times **Date: 29-10-2024**

CUH launches Outreach Program for Rural Students

TIT Correspondent
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH : The Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh has launched an impactful outreach program designed to empower rural students through hands-on training in biotechnology. Inaugurated by Vice Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar on the birth anniversary of Bharat Ratna Nanaji Deshmukh, this program will run over 25 weeks, with students from various schools participating each week. The initiative aims to train 1,000 students currently enrolled in 11th and 12th, as well as undergraduates. Today, the program commenced with 40 enthusiastic students from S.D. Sr. Sec. School Kakrala, as a first batch. Prof. Tankeshwar Kumar welcomed the students, encouraging them to embrace modern scientific methods and utilize these advanced tools ethically for the sustainable development of the country.The training started with an informative overview presented by Dr. Humira Sonah and Dr. Rupesh Deshmukh. Students then engaged in a hands-on session where they individually extracted DNA from soybean and cucumber leaf tissues. Research scholars from the Department of Biotechnology, including Dr. Sreeja Sudhakaran, Mukesh Meghwal, Pawan Kumar, Badal Mahakalkar, Pragati, Sagar Zanjal, and Gopika Mote, provided personalized guidance, ensuring each participant had an engaging and educational experience.

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: India News Calling **Date: 29-10-2024**

CUH launches Outreach Program for Rural Students

October 28, 2024 03:47 PM

MAHENDERGARH, 28.10.24-The Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh has launched an impactful outreach program designed to empower rural students through hands-on training in biotechnology. Inaugurated by Vice Chancellor Prof. Tankeshwar Kumar on the birth anniversary of Bharat Ratna Nanaji Deshmukh, this program will run over 25 weeks, with students from various schools participating each week. The initiative aims to train 1,000 students currently enrolled in 11th and 12th, as well as undergraduates. Today, the program commenced with 40 enthusiastic students from S.D. Sr. Sec. School Kakrala, as a first batch.

Prof. Tankeshwar Kumar welcomed the students, encouraging them to embrace modern scientific methods and utilize these advanced tools ethically for the sustainable development of the country.

The training started with an informative overview presented by Dr. Humira Sonah and Dr. Rupesh Deshmukh. Students then engaged in a hands-on session where they individually extracted DNA from soybean and cucumber leaf tissues. Research scholars from the Department of Biotechnology, including Dr. Sreeja Sudhakaran, Mukesh Meghwal, Pawan Kumar, Badal Mahakalkar, Pragati, Sagar Zanjal, and Gopika Mote, provided personalized guidance, ensuring each participant had an engaging and educational experience.

Prof. Pawan Kumar Maurya and Prof. Kanti Prakash Sharma, Organizing Secretary of the program said that this outreach program highlights CUH's commitment to bridging the gap between advanced scientific education and rural communities, nurturing a new generation of skilled individuals in the field of biotechnology. The program is free, there is no registration fees. Schools interested in participating in this program can contact in the Department of Biotechnology, Central University of Hayrana.

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Navoday Times **Date: 29-10-2024**

हकेवि में बायोटेक्नोलॉजी प्रशिक्षण और जागरुकता कार्यक्रम की हुई शुरूआत

महेंद्रगढ़, 28 अक्तूबर (ब्यूरो): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा ग्रामीण विद्यार्थियों को बायो टेक्नोलॉजी क्षेत्र का व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से सोशल आउटरीच कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों को आधुनिक वैज्ञानिक तरीकों को अपनाने तथा देश के निरंतर विकास के लिए इन उन्नत उपकरणों का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम की शुरुआत एस. डी. सीनियर सेकेंडरी स्कूल ककराला के 40 विद्यार्थियों के पहले बैच के साथ हुई। प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. हुमिरा सोन्हा और डॉ. रुपेश देशमुख ने एस. डी. सीनियर सेकेंडरी स्कूल ककराला के विद्यार्थियों को कार्यक्रम के उद्देश्यों से अवगत कराया। तत्पश्चात विद्यार्थियों के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने व्यक्तिगत रूप से सोयाबीन, धान और ककड़ी की पत्तियों से डीएनए निकाला। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम की घोषणा भारत रत्न नानाजी देशमुख की जयंती के अवसर पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार द्वारा की गई थी। यह कार्यक्रम 25 सप्ताह तक चलेगा, जिसमें विभिन्न स्कूलों के छात्र प्रत्येक सप्ताह भाग लेंगे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य एक हजार ग्रामीण छात्रों को बायोटेक्नोलॉजी क्षेत्र का व्यावहारिक प्रशिक्षण देना है। आयोजन में बायोटेक्नोलॉजी विभाग के शोधकर्ता डॉ. श्रीजा सुधाकरन, मुकेश मेघवाल, पवन कुमार, बादल महाकालकर, प्रगति, सागर जंजल, श्रीमती गोपिका मोते ने स्कूली विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

हकेवि प्रयोगशाला में प्रयोग करते स्कूली विद्यार्थी।

सोशल आउटरीच कार्यक्रम के अंतर्गत 25 सप्ताह तक चलेगा कार्यक्रम

कार्यक्रम के आयोजन सचिव प्रो. पवन कुमार मौर्य व प्रो. कांति प्रकाश शर्मा ने बताया कि यह आउटरीच कार्यक्रम विवि. की उन्नत वैज्ञानिक शिक्षा और ग्रामीण समुदायों के बीच की खाई को पाटने की प्रतिबद्धता को उजागर करता है, और बायोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में कुशल युवा पीढ़ी को तैयार करना है। बताया कि इस आयोजन के लिए पंजीकरण हेतु कोई शुल्क नहीं है। इच्छुक विद्यालय विवि. के बायोटेक्नोलॉजी विभाग में संपर्क कर सकते हैं।